



भाकृअनुप-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान  
जी.टी. रोड, रावतपुर, कानपुर – 208 002  
(उत्तर प्रदेश)  
An ISO 9001:2015 Certified

(O) : (0512) 2533560, 2554746  
Fax : (0512) 2533560, 2554746  
Website : <http://atarik.res.in>  
E-mail : [zpdicarkanpur@gmail.com](mailto:zpdicarkanpur@gmail.com)

दि. 27-01-2021

## भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की 92वीं वार्षिक आम बैठक

दि. 27 जनवरी 2021 को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा 92वीं वार्षिक आम बैठक का आयोजन किया गया। इसकी जानकारी डा. अतर सिंह, निदेशक भाकृअनुप-अटारी कानपुर ने दी।

बैठक में माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री भारत सरकार श्री नरेन्द्र सिंह तोमर जी ने कहा कि किसान आत्मनिर्भर बनें भारत सरकार इस दिशा में निरन्तर प्रयासरत है। रणनीति तय करके चलेंगे तो सफलता मिलेगी। जैविक खेती कृषकों के लिये काफी लाभकारी साबित हो रही है। इसकी और बेहतर मार्केटिंग की आवश्यकता है। दुग्ध उत्पादन, मशीन उत्पादन में या तो भारत पहले अथवा दूसरे पायदान पर होगा। इसके लिये किसानों और वैज्ञानिकों को बहुत-बहुत बधाई। भाकृअनुप द्वारा काफी अनुसंधान चल रहे हैं, और अनुसंधान की आवश्यकता है। आगे बहुत सारी चुनौतियाँ हैं। आज यहाँ 15 राज्य सरकारों के मंत्रीगण व अन्य अधिकारी उपस्थित हैं। उनके सुझावों पर विचार करने की जरूरत है। दलहन में हम आत्मनिर्भर बन चुके हैं, तिहलन के क्षेत्र में भी अनुसंधान जारी है। शिक्षा का क्षेत्र महत्वपूर्ण है, पढ़े-लिखे लड़के खेती की ओर अग्रसर होने से जितना ज्ञान व अनुभव कृषि में जुड़ेगा, उतना लाभ मिलेगा। हमारी समस्या उत्पादन नहीं है, फसल का प्रबन्धन हमारी समस्या बन गई है। छोटे किसानों के अभाव को पूर्ण करने के लिये सरकार द्वारा घोषणायें की गई हैं। 10 हजार एफ.पी.ओ. बनने हैं। इनका फायदा खेती को मिलेगा। छोटे किसानों के लिये भी सरकार 6850 करोड़ रुपये खर्च कर रही है।

माननीय कृषि राज्य मंत्री श्री कैलाश चौधरी ने कहा कि महानिदेशक महोदय ने पिछले वर्ष की उपलब्धियों की जानकारी दी। वैज्ञानिकों ने अनुसंधान करने नये आयाम स्थापित किये। पहले हम फसलों को आयात करते थे, अब हम आत्मनिर्भर हो गये हैं। किसानों को मुख्य रूप से चार चीजों उन्नत किस्म का बीज, कम लागत, भण्डारण और मार्केटिंग की आवश्यकता होती है। किसान के खेत तक नवीन प्रजातियाँ पहुँचे, उन्नत बीज पहुँचे, कम लागत हो इस दिशा में अनुसंधान हो रहे हैं। जैविक खेती को भी बढ़ावा देने की आवश्यकता है। जैविक खेती के प्रति लोगों की जागरूकता बढ़ रही है और इसके माध्यम से कई किसान लाभ कमा रहे हैं। इसे व्यापक स्तर पर किसानों तक पहुँचाने की आवश्यकता है। किसानों के मन में कई आशंकायें हैं जैसे कि यदि पेस्टिसाइड इस्तेमाल न किया तो उत्पादन में कमी न आ जाये। कृषकों की आशंकाओं को दूर करके उन्हें जैविक खेती के लिये आकर्षित करें। आदरणीय प्रधानमंत्री जी का भी कहना है कि फटीलाइजर्स का प्रयोग सीमित मात्रा में ही होना चाहिए।

डा. त्रिलोचन महापात्रा सचिव डेयर एवं महानिदेशक भाकृअनुप ने वार्षिक आम बैठक में भाकृअनुप की उपलब्धियों को प्रस्तुत किया। उन्होंने सभी का स्वागत किया और बताया कि 2020 चुनौतीपूर्ण वर्ष रहा। इस

वर्ष डाक्टर एवं हेल्थ वर्कर्स के द्वारा दिन रात कार्य किया गया जिसके लिये हम उन्हें नमन करते हैं और भाकृअनुप की तरफ से उनका आभार प्रकट करते हैं। पिछली बार की बैठक के 30 एक्शन प्वाइंट थे। कुछ बिन्दुओं पर कार्य शेष है परन्तु सभी बिन्दुओं पर एक्शन लिया गया है। कोविड-19 अवधि में भाकृअनुप ने किसानों का पूरा-पूरा सहयोग किया। मास्क पहनना, सोशल डिस्टेंसिंग बनाये रखने की जानकारी किसानों तक पहुँचाई गई। कृषि में कोई रुकावट न हो इसलिये कृषि सलाह कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से किसानों तक पहुँचाई गई। खरीफ एग्रा-एडवाइजरी भी जारी की गई। कृषि विज्ञान केन्द्रों की तरफ से किसानों को पौध सामग्री और बीज दिये गये। भाकृअनुप द्वारा मछलियों हेतु चारा विकसित किया गया। गरीब कल्याण रोजगार योजना के तहत कृषि विज्ञान केन्द्रों से प्रवासी श्रमिकों को प्रशिक्षण दिया गया। भाकृअनुप को एफएओ की तरफ से विश्व मृदा दिवस 2020 को पुरस्कार भी मिला। भाकृअनुप-सीआईएफटी के प्रकाशन को डब्लू.एच.ओ. की मान्यता मिली। भाकृअनुप को डिजीटल इण्डिया पुरस्कार मिला। भाकृअनुप द्वारा पूसा बासमती 1121, गन्ने की करन-4 (सीओ-0238) प्रजाति विकसित की गई है जिससे काफी लाभ प्राप्त हो रहा है। चीनी उत्पादन बढ़ रहा है, अनार उत्पादन में भी क्रान्ति आई है। गेहूँ एवं दलहन के उत्पादन एवं उत्पादकता में भी वृद्धि हुई है। आदरणीय प्रधानमंत्री जी द्वारा भाकृअनुप के कार्यों की समीक्षा भी की गई, जिसमें कई सुझाव भी दिये गये। अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में 2020 में उच्चगुणवत्ता युक्त बीज और पौध सामग्री विकसित की गई और किसानों तक पहुँचाई गई। आदरणीय प्रधानमंत्री द्वारा 8 फसलों की 17 बायोफोर्टिफाइड प्रजातियाँ राष्ट्र को समर्पित की गईं। मुर्गीपालन और पशुओं की मिलाकर 13 नई प्रजातियाँ दर्ज की गईं। बेहतर नस्ल के मुर्रा भैंसे के 7 क्लोन तैयार किये गये। बर्ड फ्लू का भी विश्लेषण किया गया। मछली उत्पादन को विकसित करने के लिये प्रजातियाँ विकसित की गई हैं। 52 फार्म और प्रोसेसिंग मशीनरी विकसित की गईं। डिजिटल इंडिया के अन्तर्गत कृषकों के लिये विभिन्न मोबाइल एप्स बनाई गईं, कुल 187 एप्स वर्तमान में हैं। कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा किसानों को नये कृषि कानूनों पर जागरूक करने का कार्य किया गया है।

बैठक में उपस्थित 15 राज्यों के माननीय मंत्रियों द्वारा कई सुझाव दिये गये जैसे असम में बीज उत्पादन लैब की स्थापना करना, आगरा में अन्तर्राष्ट्रीय आलू केन्द्र स्थापित करना, बागवानी एवं जैविक खेती के लिये जैविक मिशन संस्थान की स्थापना करना, अमरावती में पोस्ट हार्वेस्ट तकनीकी संस्थान की स्थापना करना। चारा उत्पादन, चारागाह, बीज, ग्राम बीज बैंक की स्थापना, बायोगैस को कृषि मंत्रालय से जोड़ना इत्यादि सुझाव माननीय मंत्रियों द्वारा दिये गये।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा आयोजित इस 92वीं वार्षिक आम बैठक में श्री नरेन्द्र सिंह तोमर जी माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री भारत सरकार, श्री पियूष गोयल जी माननीय रेल, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री भारत सरकार, माननीय कृषि राज्य मंत्री श्री पुरुषोत्तम रूपाला, माननीय कृषि राज्य मंत्री श्री कैलाश चौधरी, 15 राज्यों के 19 मंत्रीगण व अधिकारी, नीति आयोग के सदस्य श्री रमेश चन्द्र, श्री संजय अग्रवाल-सचिव कृषि एवं सहकारिता, सचिव डेयर एवं महानिदेशक भाकृअनुप डा. त्रिलोचन महापात्रा, श्री संजय सिंह अतिरिक्त सचिव, उपमहानिदेशक भाकृअनुप एवं डा. अतर सिंह, निदेशक भाकृअनुप-अटारी कानपुर सहित समस्त भाकृअनुप संस्थानों के निदेशक, कुल 251 वैज्ञानिक बैठक में आनलाइन उपस्थित रहे।



**ICAR-AGRICULTURAL TECHNOLOGY  
APPLICATION RESEARCH INSTITUTE**  
G.T. Road, Rawatpur, (Near Vikas Bhawan)  
Kanpur – 208 002

☎(O) : (0512) 2533560  
Fax : (0512) 2533560  
Web site : <http://atarik.res.in>  
E-mail : [zpdicarkanpur@gmail.com](mailto:zpdicarkanpur@gmail.com)

**(AN ISO 9001:2015 CERTIFIED ORGANIZATION)**

Dated: 27.01.2021

## **92<sup>nd</sup> Annual General Meeting of Indian Council for Agriculture Research**

On 27 January 2021, 92<sup>nd</sup> Annual General Meeting was organized by Indian Council of Agricultural Research, New Delhi. Dr. Atar Singh, Director ICAR-ATARI Kanpur gave this information.

In the meeting, Hon'ble Minister of Agriculture and Farmers Welfare, GOI, Shri Narendra Singh Tomar Ji said that the Government of India is constantly working in this direction to make the farmers self-reliant. If you set a strategy and you will get success Organic farming is proving to be very beneficial for farmers. There is a need for better marketing. In milk production, machine production will be either India first or second. Many congratulations to farmers and scientists for this. There is considerable research going on by ICAR, and further research is required. There are many challenges ahead. Today, ministers and other officials of 15 state governments are present here. Their suggestions need to be considered. We have become self-sufficient in pulses, research is also going on in the field of oilseeds. The field of education is important, as educated youngsters move towards farming, the more knowledge and experience they will get in agriculture, the more benefit they will get. Our problem is not production, crop management has become our problem. Announcements have been made by the government to fill the shortage of small farmers. 10 thousand F.P.O. To be made. Farming will benefit from these. The government is also spending 6850 crores rupees for small farmers.

Honorable Minister of State for Agriculture Shri Kailash Chaudhary said that the Director General informed about the achievements of the previous year. Scientists established new dimensions to research. Earlier we used to import crops, now we have become self-sufficient. The farmers mainly need four things of improved variety of seeds, low cost, storage and marketing. New varieties have reached the farmer's field, improved seeds have been reached, research is being done in this direction. There is a need to promote organic farming as well. The awareness of people towards organic farming is increasing and through this many farmers are making profit. There is a need to spread this to farmers on a large scale. There are many doubts in the minds of the farmers, such that if the pesticide is not used, the production will not decrease. Eliminate the doubts of the farmers and attract them for organic farming. Respected Prime Minister also says that managed fertilizers should be used.

Dr. Trilochan Mohapatra Secretary DARE and Director General ICAR presented the achievements of ICAR at the Annual General Meeting. He welcomed everyone and said that 2020 was a challenging year.

This year, the doctors and health workers worked day and night for which we salute them and thank them on behalf of the ICAR. The last meeting had 30 action points. Work is remaining on some points but action has been taken on all points. During the period of Covid-19, ICAR fully supported the farmers. Information about wearing masks, maintaining social distancing was conveyed to the farmers. There should be no hindrance in agriculture, so agricultural advice was passed on to the farmers through Krishi Vigyan Kendras. Kharif Agro-Advisory was also released. Planting materials and seeds were given to the farmers through Krishi Vigyan Kendras. Fodder for fishes was developed by ICAR. Under the Garib Kalyan Rojgar Yojana, migrant workers were trained from Krishi Vigyan Kendras. ICAR also received the World Soil Day 2020 award from FAO. The publication of ICAR-CIFT was recognized by WHO. ICAR received Digital India Award. Pusa Basmati 1121, Karan-4 (CO-0238) variety of sugarcane has been developed by ICAR, which is reaping considerable benefits. Sugar production is increasing, revolution has also come in pomegranate production. Production and productivity of wheat and pulses have also increased. The work of ICAR was also reviewed by the respected Prime Minister, in which several suggestions were also made. In the field of research and development, high quality seeds and plant material were developed in 2020 and passed on to the farmers. 17 biofortified species of 8 crops were dedicated to the nation by the Honorable Prime Minister. 13 new species including poultry and cattle were recorded. 7 clones of superior breed Murrah buffalo were prepared. Bird flu was also analyzed. Species have been developed to develop fish production. 52 farms and processing machinery were developed. Various digital apps were created for farmers under Digital India, a total of 187 apps are available. The Krishi Vigyan Kendras have done the task of making the farmers aware of the new agricultural laws.

Several suggestions were made by the Honorable ministers & officials of 15 states present in the meeting. Such as establishing seed production lab in Assam, International Potato Center in Agra, Organic Mission Institute for Horticulture, Floriculture and Organic Farming, Post Harvest Technical Institute in Amravati. Fodder production, pasture, seeds, establishment of village seed bank, linking of biogas to the Ministry of Agriculture, etc. related suggestions were given by Hon'ble Ministers and officials.

In this 92<sup>nd</sup> Annual General Meeting of Indian Council of Agricultural Research, Shri Narendra Singh Tomar Hon'ble Minister of Agriculture and Farmers Welfare GOI, Shri Piyush Goyal Hon'ble Minister of Railways, Commerce and Industry GOI, Hon'ble Minister of State for Agriculture Shri Purushottam Rupala, Honorable Minister of State for Agriculture Shri Kailash Chaudhary, 19 Ministers and officials from 15 States, Mr. Ramesh Chandra-Member NITI Aayog, Mr. Sanjay Agarwal - Secretary, Agriculture and Cooperation, Dr. Trilochan Mohapatra Secretary DARE and Director General ICAR, Mr. Sanjay Singh Additional Secretary, Deputy Director General ICAR, Dr. Atar Singh, Director ICAR-ATARI Kanpur and Directors of all ICAR institutes, total of 251 scientists were present in meeting.

